**भारत सरकार**

**जल शक्ति मंत्रालय**

**जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 484**

**जिसका उत्तर 25 जुलाई, 2024 को दिया जाना है।**

**.....**

**जल ग्रिड परियोजना**

**484. श्री वाई. एस. अविनाश रेड्डी :**

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केन्द्र सरकार देश के शुष्क क्षेत्रों में जल ग्रिड परियोजना को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी और साथ ही क्या कुछ राज्य सरकारों ने राज्यों में कुछ जल-ग्रिड परियोजनाओं के लिए 15,000 करोड़ रूपये निर्धारित किए हैं; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और जल ग्रिड परियोजना के लिए कितनी धनराशि स्वीकृत/व्यय की गई है?

**उत्तर**

**जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री राज भूषण चौधरी)**

**(क) और (ख)** वर्ष 1980 में अंतर-बेसिन जल अंतरण के लिए तैयार की गई राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) के अंतर्गत, राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) द्वारा व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने के लिए 30 लिंक (प्रायद्वीपीय घटक के अंतर्गत 16 और हिमालयी घटक के अंतर्गत 14) की पहचान की गई है। पहचान की गई 30 लिंक परियोजनाओं में से, सभी 30 लिंक की व्यवहार्यता- पूर्व रिपोर्ट (पीएफआर), 24 लिंक की व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर) और 11 लिंक की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पूरी हो चुकी हैं। नदियों को आपस में जोड़ने (आईएलआर) कार्यक्रम के अंतर्गत नदियों को आपस में जोड़ने के प्रस्तावों का विवरण और वर्तमान स्थिति **अनुलग्नक** में दी गई है।

केन-बेतवा लिंक परियोजना (केबीएलपी) पहली लिंक परियोजना है, जिसका कार्यान्वयन आरंभ कर दिया गया है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों और भारत सरकार के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद, इस परियोजना को भारत सरकार द्वारा दिसंबर, 2021 में 44,605 करोड़ रुपये (वर्ष 2020-21 के मूल्य स्तर पर) की अनुमानित लागत पर कार्यान्वयन के लिए मंजूरी दी गई थी, जिसमें 39,317 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता भी शामिल है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान केबीएलपी के क्रियान्वयन के लिए 4,642.03 करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया गया, जबकि व्यय 4,639.46 करोड़ रुपये हुआ । वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान परियोजना

के लिए 1,400 करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया गया, जबकि केंद्रीय अनुदान में से व्यय 622.43 करोड़ रुपये रहा। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए परियोजना के लिए 1400 करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया गया, जबकि केंद्रीय अनुदान से व्यय 1390.72 करोड़ रुपये हुआ। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में इस परियोजना के लिए 4000.09 करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया गया है।

*****

**अनुलग्नक**

**"जल ग्रिड परियोजना" के संबंध में दिनांक 25.07.2024 को उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 484 के भाग (क) एवं (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक**

**एनपीपी के तहत आईएलआर परियोजनाओं का विवरण और उनकी वर्तमान स्थिति**

**प्रायद्वीपीय घटक**

| क्र. सं. | नाम | लाभान्वित राज्य | स्थिति |
|---|---|---|---|
| 1 | क. महानदी (मणिभद्र) - गोदावरी (दौलेस्वरम) लिंक | आंध्र प्रदेश (एपी) और उडीसा | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| | ख. आल्टर्नेट महानदी (बरमूल) - रुशिकुल्या - गोदावरी (दौलेस्वरम) लिंक | एपी और उडीसा | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 2 | गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक | एपी | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 3 | क. गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक | तेलंगाना | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| | ख. आल्टर्नेट गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक * | तेलंगाना | विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 4 | गोदावरी (इंचमपल्ली/एसएसएमपीपी) - कृष्णा (पुलिचिंतला) लिंक | तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश | विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 5 | क. कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक | एपी | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| | ख. आल्टर्नेट कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक * | एपी | विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 6 | कृष्णा (श्रीसैलम) - पेन्नार लिंक | एपी | विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का मसौदा पूरा कर लिया गया है। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7 | कृष्णा (अलमट्टी) - पेन्नार लिंक | एपी और कर्नाटक | विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का मसौदा पूरा कर लिया गया है। |
| 8 | क. पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक | आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| | ख. आल्टर्नेट पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक * | आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी | विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 9 | कावेरी (कट्टालाई) - वैगई-गुंडर लिंक | तमिलनाडु | विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 10 | क. पार्बती-कालीसिंध - चंबल लिंक | मध्य प्रदेश (एमपी) और राजस्थान | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| | ख. मोडिफ़ाइड पार्बती- कालीसिंध - चंबल लिंक (ईआरसीपी के साथ एकिकृत) | मध्य प्रदेश और राजस्थान | पीएफआर का मसौदा पूरा कर लिया गया है। |
| 11 | दमनगंगा - पिंजाल लिंक (डीपीआर के अनुसार) | महाराष्ट्र (मुंबई के लिए केवल जल की आपूर्ति) | विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 12 | पार-तापी-नर्मदा लिंक (डीपीआर के अनुसार) | गुजरात और महाराष्ट्र | विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 13 | केन-बेतवा लिंक | उत्तर प्रदेश और एम पी | कार्यान्वयन शुरू कर दिया गया है। |
| 14 | पम्बा-अचनकोविल-वैप्पर लिंक | तमिल नाडू और केरल | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 15 | बेदती-वर्दा लिंक | कर्नाटक | विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 16 | नेत्रावती-हेमावती लिंक** | कर्नाटक | पीएफआर का मसौदा पूरा कर लिया गया है। |

* मणिभद्र और इंचमपल्ली बांधों पर आम सहमति लंबित होने के कारण गोदावरी नदी के अप्रयुक्त जल डायवर्जन के लिए वैकल्पिक अध्ययन किया गया और गोदावरी (इंचमपल्ली/जनमपेट)-कृष्णा (नागार्जुनसागर)-पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली गई हैं। गोदावरी-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजना तैयार की गई है, जिसमें गोदावरी (इंचमपल्ली/जनमपेट) - कृष्णा (नागार्जुनसागर), कृष्णा (नागार्जुनसागर)-पेन्नार (सोमासिला) और पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाएं शामिल हैं।

** आगे अध्ययन शुरू नहीं किया गया हैं क्योंकि कर्णाटक सरकार द्वारा येतिनाहोल परियोजना के कार्यान्वयन के पश्चात्, इस लिंक के माध्यम से जल मार्ग डायवर्जन करने के लिए नेत्रावती बेसिन में अधिशेष जल उपलब्ध नहीं है।

**<u>हिमालयी घटक</u>**

| क्र.सं. | लिंक का नाम | देश / लाभान्वित राज्य | स्थिति |
|---|---|---|---|
| 1. | कोसी-मेची लिंक | बिहार और नेपाल | पीएफआर पूर्ण |
| 2. | कोसी-घाघरा लिंक | बिहार, यूपी और नेपाल | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 3. | गंडक - गंगा लिंक | यूपी और नेपाल | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर वितरित कर दी गई है। |
| 4. | घाघरा-यमुना लिंक | यूपी और नेपाल | व्यवहार्यता रिपोर्ट का मसौदा पूरा कर लिया गया है। |
| 5. | सारदा-यमुना लिंक | यूपी और उत्तराखंड | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 6. | यमुना-राजस्थान लिंक | हरियाणा और राजस्थान | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 7. | राजस्थान-साबरमती लिंक | राजस्थान और गुजरात | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 8. | चुनार-सोन बैराज लिंक | बिहार और उत्तर प्रदेश | व्यवहार्यता रिपोर्ट का मसौदा पूरा कर लिया गया है। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 9. | सोन बांध - गंगा लिंक की दक्षिणी सहायक नदियाँ | बिहार और झारखंड | व्यवहार्यता रिपोर्ट का मसौदा पूरा कर लिया गया है। |
| 10. | मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक | असम, पश्चिम बंगाल और बिहार | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 11. | जोगीघोपा-तिस्ता-फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी का विकल्प) | असम, पश्चिम बंगाल और बिहार | पीएफआर पूरी कर ली गई है। (यह प्रस्ताव वापस ले लिया गया है) |
| 12. | फरक्का-सुंदरबन लिंक | पश्चिम बंगाल | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 13. | गंगा (फरक्का) - दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक | पश्चिम बंगाल, उडीसा और झारखंड | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |
| 14. | सुवर्णरेखा-महानदी लिंक | पश्चिम बंगाल और उडीसा | व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। |

*****